हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, शुक्रवार 9 जनवरी 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जैतपुर एकलव्य विद्यालय में सर्जिकल स्ट्राइक

शहडोल। संभागीय उपायुक्त जे.पी.यादव ने बुधवार को एकलव्य विद्यालय जैतपुर में अचानक दबिश देकर व्यवस्थाओं की पोल खोली। निरीक्षण के दौरान श्री यादव ने छात्रावास के रखरखाव, साफ-सफाई और छात्र सुविधाओं का बारीकी से एक्सरे किया। उन्होंने दो-टूक लहजे में बच्चों से संवाद कर हकीकत जानी और अनुशासन व एकाग्रता का पाठ पढ़ाया। उपायुक्त की इस सख्त तेवर वाली कार्रवाई से लापरवाह कर्मचारियों में हडकंप मच गया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि बच्चों की सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता में रत्ती भर भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शहडोल में युवा कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

शहडोल। इंदौर में दूषित पेयजल के सेवन से हुई मासूमों और नागरिकों की असमय मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस त्रासदी के विरोध और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए बुधवार शाम गांधी चौक पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी की गरिमामयी उपस्थिति एवं युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम के नेतृत्व में कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई।इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार और प्रशासन की लापरवाही पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जनता को शुद्ध पानी मुहैया न करा पाना सत्ता की सबसे बड़ी विफलता है। कार्यक्रम में पप्पू सिंह, हीरालाल प्रजापति, रविंद्र मणि शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने इस घटना को प्रशासनिक हत्या करार देते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

बुढार थाना क्षेत्र में युवती से मारपीट

शहडोल। जिले के बुढार थाना अंतर्गत एक युवती के साथ मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और रास्ता रोकने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह मामला 6 जनवरी 2026 को सामने आया, जिसमें पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता युवती रौशनी साहू (बदला हुआ नाम) ने पुलिस को बताया कि 6 जनवरी की दोपहर करीब 11:30 बजे से 11:50 बजे के बीच आरोपी युवक ने उसे रास्ते में रोककर गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार आरोपी ने भय का माहौल बनाते हुए उसे आगे से इस रास्ते पर आने से मना किया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इस मामले में आरोपी शुभम उर्फ शुब्हम पिता सुंदर लाल, निवासी वार्ड क्रमांक 05, पुरानी बस्ती, बुढार, जिला शहडोल के खिलाफ धारा 296(ए), 115(2), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी वर्तमान में बुढार क्षेत्र में ही रहकर स्थानीय गतिविधियों में संलिप्त बताया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने अपने बयान में यह भी उल्लेख किया है कि आरोपी का व्यवहार पूर्व से ही दबंग किस्म का रहा है और वह आए दिन लोगों को डराने-धमकाने का काम करता है। घटना के बाद पीड़िता ने तत्काल थाना पहुंचकर मौखिक सूचना दी, जिस पर पुलिस ने जनरल डायरी में एंट्री कर एफआईआर दर्ज की। **अवैध निर्माण से जुड़ा है आरोपी का नाम-** इस मामले को लेकर एक और गंभीर तथ्य सामने आया है। शिकायतकर्ता रौशनी साहू (बदला हुआ नाम) ने यह भी आरोप लगाया है कि इसी आरोपी के द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 के प्रक्रिया चौराहे पर शॉर्टकट तरीके से अवैध निर्माण कराया जा रहा है। यह चौराहा पहले से ही ब्लैक पॉइंट के रूप में जाना जाता है, जहां आए दिन सडक दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस स्थान पर अवैध निर्माण के कारण सडक की दृश्यता प्रभावित हो रही है, यातायात बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई बार प्रशासन और संबंधित विभागों से शिकायत किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य पर कोई ठोस अंकुश नहीं लग पाया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रभाव और दबाव के चलते न तो निर्माण रोका गया और न ही कोई सख्त कार्रवाई हुई।

पटवारी और एएसआई की हत्या के बाद अब तहसीलदार को कुचलने की कोशिश

शहडोल में रेत के सौदागरों का तांडव

खाकी और खादी के संरक्षण में फल-फूल रहा खूनी खेल

शहडोल।

जिले की धरती इन दिनों विकास की इबारत नहीं, बल्कि रेत माफिया के खौफ की कहानी लिख रही है। शहडोल में कानून का इकबाल इस कदर मर चुका है कि अब यहां सरकारी कुर्सियों पर बैठने वाले अफसर भी सुरक्षित नहीं हैं। जिले के ब्यौहारी क्षेत्र में रेत माफिया ने एक बार फिर खूनी खेल खेलने की कोशिश की है। यहां अवैध रेत के अवैध कारोबार को रोकने पहुंचे नायब तहसीलदार शनि द्विवेदी पर माफिया ने न केवल जानलेवा हमला किया, बल्कि उन्हें गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देकर अपनी बेखौफी का प्रदर्शन भी किया।

वर्दी को चुनौती, चलती गाड़ी से फेंकी रेत

घटना ब्यौहारी थाना क्षेत्र के खरपा तिराहे की है। बीती रात करीब 11:25 बजे नायब तहसीलदार शनि द्विवेदी अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। तभी जंगल की ओर से रेत से लदा मेसी ट्रैक्टर आता दिखा । तहसीलदार ने जब ट्रैक्टर रोकने की कोशिश की, तो माफिया ने पूरी दुस्साहस दिखाते हुए सरकारी बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी । मंजर इतना खौफनाक था कि माफिया तहसीलदार के वाहन को क्षतिग्रस्त कर उसे पलटाने की नीयत में था । हद तो तब हो गई जब पीछा छुड़ाने के लिए माफिया ने फिल्मी अंदाज में चलते ट्रैक्टर से ही बीच सडक़ पर रेत अनलोड कर दी, ताकि सरकारी गाड़ी आगे न बढ़ सके। इसके बाद कामता बैस का पुत्र अमरदीप उर्फ झब्बू अपनी बाइक से मौके पर पहुंचा और नायब तहसीलदार के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की कोशिश की ।

पटवारी और एएसआई के बाद अब कौन

यह कोई पहली बार नहीं है, जब शहडोल में रेत माफिया ने किसी अधिकारी को निशाना बनाया हो। पूर्व में अवैध खनन रोकने गए पटवारी प्रसन्न सिंह और एएसआई महेंद्र बागरी को ट्रैक्टर से कुचलकर सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया था। इन जघन्य हत्याओं के बाद भी शासन-प्रशासन की चुप्पी ने माफिया के हौसले इतने बुलंद कर दिए हैं कि अब वे तहसीलदार स्तर के अधिकारियों पर भी हाथ डालने से नहीं हिचक रहे हैं। जिले के देवलौंद, ब्यौहारी, जयसिंहनगर और गोहपारू जैसे इलाके माफिया के अभेद्य गढ़ बन चुके हैं।

तो पुलिस के संरक्षण में चल रहा है कारोबार

जिले में रेत का कोई वैध ठेका संचालित नहीं है, फिर भी हर रात सैकड़ों ट्रैक्टर नदियों का सीना चीर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खाकी के संरक्षण और मोटे कमीशन के खेल की वजह से माफिया बेखौफ हैं। ब्यौहारी पुलिस ने नायब तहसीलदार की शिकायत पर कामता बैस और अमरदीप उर्फ झब्बू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(ए), 132, 221, 351(2), 303(2), 317(5), 3(5) और खनिज अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। घटना के बाद दबाव में आई पुलिस ने 6 ट्रैक्टर जरूर जब्त किए हैं, लेकिन मुख्य सरगना अब भी प्रशासन की पहुंच से दूर हैं।

सोशल मीडिया पर माफिया की खुली चुनौती

तहसीलदार द्वारा बनाए गए वीडियो ने माफिया की पोल खोल दी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कैसे माफिया कानून की धज्जियां उड़ाते हुए भाग रहे हैं। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जिले की बदहाल कानून-व्यवस्था का विज्ञापन बन गया है। आखिर कब तक जिले के ईमानदार अधिकारी माफिया की हिट-लिस्ट में रहेंगे, क्या मुख्यमंत्री और प्रशासन के आला अधिकारी शहडोल को इस रेत के आतंक से मुक्त करा पाएंगे या फिर किसी और अधिकारी की शहादत का इंतजार किया जा रहा है?

24 घंटे में दूसरे बाघ मौत से हडक़ंप

सोता रहा प्रबंधन, कुएं में सड़ा बाघ का शव

उमरिया।

विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब बाघों के लिए डेथ जोन बनता जा रहा है। धमोखर परिक्षेत्र के कुदरी टोला में गुरुवार को एक पुराने कुएं में बाघ का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शर्मनाक बात यह है कि महज 24 घंटे पहले ही एक बाघ शावक की जान गई थी और अब इस दूसरी मौत ने पार्क प्रबंधन की सुरक्षा दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं।

नाक के नीचे सड़ता रहा शव

ग्रामीणों के मुताबिक, जंगल चौकी के बेहद करीब स्थित इस कुएं से उठती भयंकर दुर्गंध ने मौत का राज खोला। अंदेशा है कि बाघ की मौत 48 घंटे से भी पहले हो चुकी थी। सवाल यह उठता है कि करोड़ों का बजट डकारने वाला गश्ती दल और हाईटेक निगरानी तंत्र क्या कर रहा था? जंगल चौकी के इतने करीब बाघ दम तोड़ गया और अफसरों को इसकी भनक तक नहीं लगी। क्या पार्क प्रबंधन केवल सफारी बुकिंग और वीआईपी मेहमानों की खातिरदारी तक सीमित रह गया है?

सवालों के घेरे में जिम्मेदार

वन्यजीव प्रेमियों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। 24 घंटे के भीतर दो मौतों ने यह साबित कर दिया है कि बांधवगढ़ में वन्यजीवों की सुरक्षा राम भरोसे है। क्या यह सिर्फ हादसा है या शिकारियों की कोई बड़ी साजिश? फिलहाल वन विभाग जांच का रोना रो रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि इस लापरवाही ने बांधवगढ़ के माथे पर कलंक लगा दिया है। अब देखना यह है कि इस प्रशासनिक सुस्ती पर उच्च स्तर से क्या गाज गिरती है।

13 जनवरी से अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट

बुढ़ार स्टेडियम में सजेगा क्रिकेट का महाकुंभ

शहडोल।

नगर के स्व.कुशाभाऊ ठाकरे मैदान में प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले अखिल भारतीय गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन इस वर्ष 13 जनवरी से किया जाएगा , प्रतियोगिता का फाइनल 21 जनवरी को खेला जाएगा । नगर की खेल एवं सामाजिक संस्था फ्रेंड्स स्पोर्टस एंड कल्चरल सोसाइटी के तत्वाधान में स्थानीय स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे इस खेल टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढऩे का अवसर प्रदान करना है। आयोजकों का कहना है कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से क्षेत्रीय खिलाडिय़ों को एक सशक्त मंच मिलेगा, जिससे वे अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर सकेंगे।

उद्घाटन समारोह की तैयारियां

टूर्नामेंट का उद्घाटन

समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं खेल प्रेमी नागरिक अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। स्थानीय विधायक जय सिंह मरावी के मार्गदर्शन में होने वाले इस टूर्नामेंट की लोकप्रियता शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद रूप से है ।

टीमों की भागीदारी

टूर्नामेंट का प्रारूप टी-20 का होगा , प्रत्येक दिन एक मैच खेला जाएगा , सभी मैच नॉकआउट के होंगे। प्रारूप सभी टीमों को बराबर अवसर प्रदान करेगा। आयोजन समिति के सदस्य अवधेश पांडे (पिंटू) ने बताया कि इस टूर्नामेंट में स्थानीय सहित देश के कई हिस्सों की टीमें भाग लेंगी। आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता में दिल्ली, बिलासपुर , जबलपुर, प्रयागराज , रीवा , शहडोल,अंबिकापुर , पेंड्रा , उमरिया एवं बुढार की टीमों भाग लेंगी।

मैदान और सुविधाओं की व्यवस्था

स्थानीय स्टेडियम में खेल मैदान की पिच और आउटफील्ड को बेहतर बनाने के लिए विशेष तैयारी की जा रहीं हैं । खिलाडिय़ों और दर्शकों की सुविधा के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली टीमों और खिलाडिय़ों के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं। विजेता टीम को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि उपविजेता और सेमीफाइनलिस्ट टीमों को भी सम्मानित किया जाएगा। व्यक्तिगत श्रेणियों में भी सर्वश्रेष्ठ खिलाडिय़ों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

खेल प्रेमियों में उत्साह

स्थानीय खेल प्रेमियों में टूर्नामेंट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजक समिति ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में स्टेडियम पहुंचकर खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

आर.बी. एसोसिएट्स ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के सर्वेयर कर रहे गुणवत्ता की जांच

धान खरीदी केंद्रों पर सर्वेयरों की पैनी नजर

शहडोल।

जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। शासन के कड़े निर्देशों और पिछले वर्ष के अनुभवों को देखते हुए इस वर्ष पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पिछले वर्ष शहडोल जिले में धान उपार्जन खरीदी नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एनसीसीएफ के माध्यम से एक गैर अनुभवी निजी कम्पनी के हाथो में जिले की गुणवत्ता परीक्षण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिससे जिले में लगातार सर्वेयर की अनुपस्थिति और अनियमितताओं के कारण जिले में सुव्यवस्था की स्थिति बनी रहती थी जिससे किसानों को अपनी धान की उपज बेचने में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। बड़ी बात तो यह है कि कंपनी की भर्ती प्रक्रिया में भी बड़े सवाल खड़े हुए थे कम्पनी के कर्मचारी प्रतिनिधि ही सर्वेयरों से भर्ती के नाम पर वसूली करने का सिलसिला सामने आया था।

उपार्जन केंद्रो पर मुस्तैद सर्वेयर

मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन मुख्यालय भोपाल के निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चयनित आर.बी. एसोसिएट्स ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को शहडोल जिले में धान उपार्जन खरीदी की लगाम सौंपी गई है। कंपनी द्वारा भ्रष्टाचार को बंद करने के लिए सर्वेयर पद के लिए चयन प्रक्रिया को बड़ा ही सहज और सरल पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर किया गया है। जिसमें शासन की उपार्जन नीति में प्रदर्शित नियमों के अनुसार शिक्षा दक्षता, कार्य अनुभव के आधार पर सर्वेयरो का चयन कर अधिकृत सर्वेयर को जिले के प्रत्येक धान उपार्जन केंद्र पर मुस्तैद किया गया हैं। जो शासन की नीति अनुसार किसान द्वारा लाई गई उपज धान की नमी, सफाई और रंग की विधिवत जांच कर रहे हैं।

गुणवत्ता में सुधार लाने के शासन के निर्देश

धान की गुणवत्ता में बेहतर सुधार लाने के लिए शासन के निर्देश अनुसार इस वर्ष भंडारण स्तरीय केंद्र पर दो सर्वेयरो की तैनाती की गई है, जिससे धान उपार्जन के पश्चात भंडारण प्रक्रिया तक गुणवत्ता परीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल गुणवत्तापूर्ण एफ.ए.क्यू. स्तर की धान ही गोदामों तक पहुंचे, ताकि बाद में किसी भी प्रकार की रिजेक्शन की स्थिति न बने। अनुभवी एवं प्रशिक्षित सर्वेयरों द्वारा मौके पर ही फसल की गुणवत्ता जांच कर तुरंत निर्णय लेने से खरीदी प्रक्रिया में तेजी आई है और विवाद की स्थितियां कम हुई हैं। किसानों को सुविधा को देखते हुए सर्वेयरों द्वारा एफएक्यू मानक का सख्त पालन किया जा रहा है ताकि पिछले वर्षों में गुणवत्ता को लेकर आई शिकायत इस बार ना दोहराई जा सके। सर्वेयरों धान में नमी की मात्रा 17 प्रतिशत से अधिक नहीं होना, कचरा, मिट्टी और बदरा (खाली दाने) की मौजूदगी निर्धारित प्रतिशत से कम हो और सर्वेयर हर ढेर की जांच करने के बाद ही उसे पास कर रहे हैं। किसानों की सहूलियत के लिए बदलाव शासन के नए नियमों के अनुसार, यदि सर्वेयर किसी किसान की धान को स्पष्ट कारण बताकर रिजेक्ट करता है, तो केंद्रों पर ही किसानों को अपने उपज धान साफ करने के लिए पंखे और छरने उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि वे मौके पर ही सुधार कर मानक के अनुरूप धान बेच सकें।

शिकायत के बाद शहडोल पहुंची कम्पनी की टीम

सर्वेयर सूरज पटेल अपने अधिकार और न्याय को लेकर कलेक्टर कार्यालय से लेकर

आदेश

जिला आपूर्ति अधिकारी और कमिश्नर कार्यालय तक शिकायत दर्ज के आधार पर कंपनी के फील्ड ऑफिसर रजनीश कुमार कौरव ने सर्वेयर सूरज पटेल से मुलाकात की, जिसमें सूरज की बातों को विस्तार से सुनकर समझाया कि सूरज पटेल को कंपनी के द्वारा ना तो हटाया गया, ना ही कंपनी के पास किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज हुई है। सूरज को हटाने में जिला प्रबंधक म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन लिमिटेड शहडोल द्वारा हटाए जाने के पश्चात कंपनी द्वारा हटाए जाने का स्टेटमेंट जारी कर झूठा भ्रम उत्पन्न किया गया है जो कि गलत है।

इनका कहना है...

मुझे जिला प्रबंधक मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन द्वारा आदेश जारी कर हटाया गया है, साथ ही साथ मुझे मेरी कंपनी और कंपनी के अधिकारियों के प्रति गुमराह किया गया है, जो कि गलत है गुमराह होने पर मेरे द्वारा की गई कंपनी के प्रति शिकायतों को मैं वापस लेता हूं। मैं केवल यह जानना चाहता हूं कि जिला प्रबंधक द्वारा बिना मुझे कारण बताओं नोटिस प्रदान किया किस बात से हटाया है।

सूरज पटेल
सर्वेयर, शिकायतकर्ता

छात्रावासों में नो एंट्री: शहडोल उपायुक्त का हंटर

अब केवल माता-पिता ही मिल पाएंगे, लापरवाही पर नपेंगे अधीक्षक

शहडोल। जिले के सोहागपुर के कंचनपुर स्थित कन्या शिक्षा परिसर में हुई गंभीर लापरवाही के बाद जनजातीय कार्य विभाग ने अब छात्रावासों को किले में तब्दील करने का मन बना लिया है। उपायुक्त जेपी यादव ने जिले के सभी छात्रावासों के लिए ब्लैक एंड व्हाइट फरमान जारी कर दिया है। अब सगे माता-पिता, भाई या बहन के अलावा किसी भी गैर व्यक्ति का साया भी विद्यार्थियों के आसपास दिखा, तो सीधे अधीक्षक की कुर्सी जाएगी।

कंचनपुर कांड से जागा विभाग

विगत दिनों एक अधीक्षक द्वारा छात्रा को अनजान व्यक्ति के साथ भेज देने की अक्षम्य गलती ने विभाग की साख पर बट्टा लगा दिया था। इसी को देखते हुए अब नियम पत्थर की लकीर बना दिए गए हैं। हर विद्यार्थी के परिजनों की फोटो, पहचान पत्र और मोबाइल नंबर वाली प्रोफाइल पंजी तैयार होगी। परिजन आएंगे तो उन्हें भी सीसीटीवी की निगरानी में ही बैठने दिया जाएगा। बिना फोन कॉल और घर पहुंचने की पुष्टि के किसी को भी छुट्टी नहीं मिलेगी।

शराब पीकर आए कर्मचारी तो खैर नहीं

उपायुक्त ने स्पष्ट कर दिया है कि कन्या छात्रावासों में पुरुषों का पहरा बर्दाश्त नहीं होगा, वहां केवल महिला कर्मचारी ही तैनात होंगी। सुरक्षा के नाम पर खिलवाड़ रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरों और ऊंची बाउंड्रीवाल का जाल बिछाया जा रहा है। सबसे सख्त हिदायत शराब को लेकर है, यदि कोई भी कर्मचारी या अधीक्षक नशे की हालत में परिसर में मिला, तो वैधानिक कार्रवाई तय है। वहीं, पढ़ाई में खलल रोकने के लिए विद्यार्थियों के मोबाइल रखने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

बाहरी जमावड़ा होगा साफ, गश्त करेगी पुलिस

छात्रावासों, विशेषकर कन्या छात्रावासों के बाहर मजमा लगाने वाले मनचलों और अवैध गुमटी संचालकों की अब शामत आने वाली है। विभाग ने पुलिस प्रशासन से समन्वय कर हॉस्टलों के पास गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त ने साफ कर दिया है कि अधीक्षकों को मुख्यालय पर ही डेरा डालना होगा, रिमोट कंट्रोल से छात्रावास चलाना अब गुजरे जमाने की बात हो गई है। लापरवाही की जरा भी गुंजाइश पर सीधे निलंबन की गाज गिरेगी।

कलेक्टर ने ऑगनवाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने संभागीय मुख्यालय शहडोल के वार्ड नम्बर 13 के ऑगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान ऑगनवाड़ी केंद्र में दी जा रही संदर्भ सेवाओ के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने गर्भवती माताओं एवं बच्चों के टीकाकरण, बच्चों के वजन पंजी का संधारण, कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने हेतु किए जा रहे प्रयासों, टेक होम राशन के वितरण की जानकारी भी ली।

खबर संक्षेप

12 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह की समीक्षा बैठक

उमरिया। गणतंत्र दिवस समारोह वर्ष 2026 का आयोजन गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी 2026 को सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारी हेतु समीक्षा बैठक 12 जनवरी समय-सीमा (टी.एल.) बैठक के पश्चात आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

जिला स्तर पर 9 एवं 10 जनवरी को विशेष कैंप

उमरिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि पर पात्र युवाओ को मतदाता सूची में सम्मिलित करने के लिए जिला स्तर पर 9 एवं 10 जनवरी को हायर सेकेण्डरी स्कूलो, महाविद्यालयो एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओ आदि में विशेष कैंप आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने आयोग के निर्देशानुसार 9 एवं 10 जनवरी को जिले के समस्त हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयो एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओ आदि में विशेष कैंप आयोजित किए जाने हेतु प्राचार्यो को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है । प्राचार्यो को निर्देशित किया गया है कि आयोग के निर्देशानुसार 9 एवं 10 जनवरी को हायर सेकेण्डरी स्कूलो, महाविद्यालयो एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओ में विशेष कैंप आयोजित कराकर विशेष कैंप की जानकारी निर्धारित प्रपत्र भाग -1 एवं भाग -2 में बीएलओ सुपरवाईजर के माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर नरवाई प्रबंधन उपयोगी कृषि यंत्रों के आवेदन आमंत्रित

उमरिया। सहायक यंत्री कृषि ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी म.प्र. भोपाल द्वारा ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर कृषि यंत्र के लक्ष्य प्रदाय किये गये है । उन्होने बताया कि 15 जनवरी 2026 तक यंत्रों के लिए आवेदन पोर्टल पर आमंत्रित किये जा रहें है। प्राप्त आवेदकों के आधार पर लक्ष्य निर्धारण किया जावेगा एवं पृथक से लॉटरी 16 जनवरी 2026 को प्रकाशित की जावेगी। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्र ट्रेक्टर चलित रीप कम बाइंडर के लिए 7500 रूपये तथा स्व चलित रीप कम बाइंडर के लिए 15000 रूपये का डिमांड ड्राप्ट सहायक कृषि यंत्री उमरिया के नाम बनवाकर आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये टेलीफोन नं0 07653-268225 (सहायक कृषि यंत्री) से संपर्क किया जा सकता है ।

आनलाइन सेवाओ का लिया जा सकता है लाभ

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की ऑनलाईन सेवाओं को प्रदान कराने के लिए एमपी ई सेवा मोबाईल एप्प प्लेस्टोर एप्पल स्टोर पर उपलब्ध है । नागरिक एमपी ई-सेवा पर उपलब्ध सेवाओं के लिए आवेदन कर सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं तथा ऑनलाईन आवेदन की स्थिति जान सकतें हैं।

जिले में 17 बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर स्थापित होंगे

उमरिया। परियोजना संचालक आत्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढावा देने हेतु नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के तहत उमरिया जिले में प्राकृतिक खेती के 25 क्लस्टर बनाये गये है, जिसमे प्रत्येक 3 क्लस्टर पर 2 बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (बी.आर.सी.) की स्थापना की जानी है। बी.आर.सी. स्थापना हेतु स्थानीय कृषक, कृषि उद्यमी, किसान उत्पाद संगठन, स्वयं सहायता समूह, प्राथमिक सेवा सहाकारी समिति मर्या. आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र परियोजना संचालक आत्मा कार्यालय/ विकासखण्ड स्तरीय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी व बी.टी.एम. कार्यालय से प्राप्त कर सकते है तथा आवेदन निर्धारित प्रपत्र में 10 जनवरी 2026 तक शाम 6 बजे तक परियोजना संचालक आत्मा कार्यालय/ विकासखण्ड स्तरीय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी व बी0टी0एम0 कार्यालय में जमा करा सकते है । आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजो में संस्था का पंजीयन, आधार कार्ड, पेन कार्ड, सदस्यों की सूची, उत्पादन भण्डार व्यवस्था कम से कम दो वर्षो का प्राकृतिक खेती का अनुभव, बी.आर.सी. संचालन का प्लान देना होगा आवेदक को अपने खेत में जैव इनपुट का उपयोगकर्ता होना चाहीये बी.आर.सी. के पास पशुधन, पौधो पर आधारित बायोमास जैसे कच्चे माल की पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिये यदि गौमूत्र और गोबर की आपूर्ति स्वयं नही हो तो 5 कि.मी. के दायरे में गौशाला होना आवश्यक है।

नपा अध्यक्ष रश्मि सिंह का आधी रात को छापा, रैन बसेरों में मची खलबली

कड़ाके की ठंड में सिस्टम हुआ सख्त

उमरिया।

जिले में हाड़ कंपाने वाली ठंड और गिरते पारे ने जब आम जनजीवन को झकझोर कर रख दिया है, तब नगर पालिका परिषद उमरिया की अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए के अपने संकल्प को हकीकत में बदलने के लिए अध्यक्ष ने रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। इस औचक कार्रवाई से नगर पालिका के सुस्त अमले में हडक़ंप मच गया।

लापरवाही पर भडक़ीं अध्यक्ष

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष रश्मि सिंह का सख्त तेवर देखने को मिला। उन्होंने रैन बसेरों में बिस्तरों और कंबलों की बारीकी से जांच की। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि गरीबों के लिए रखे गए कंबलों में जरा भी गंदगी या दुर्गंध बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि रैन बसेरा केवल खानापूर्ति का केंद्र नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के लिए सुरक्षित किला होना चाहिए। स्टॉक में गर्म कपड़ों की कमी पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सडक़ों पर गश्त करेगी टीम

मानवता और कर्तव्य के प्रति आक्रामकता दिखाते हुए श्रीमती सिंह ने नगर पालिका की टीम को रेस्क्यू मोड पर रहने का आदेश दिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और सुनसान तिराहों पर रात भर गश्त की जाए। यदि कोई भी असहाय व्यक्ति खुले आसमान के नीचे ठिठुरता पाया जाता है, तो उसे ससम्मान नगर पालिका की गाड़ी से रैन बसेरे तक लाया जाए। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक फाइलें नहीं, जमीन पर राहत दिखनी चाहिए।

वीआईपी सुविधा जैसा इंतजाम हो

अध्यक्ष ने केवल छत ही नहीं, बल्कि बुनियादी सुविधाओं पर भी कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने निर्देशित किया कि रैन बसेरों में सुबह नहाने के लिए अनिवार्य रूप से गर्म पानी मिले। साथ ही, शहर के प्रमुख चौराहों पर केवल कागजी अलाव न जलें, बल्कि पर्याप्त लकड़ी के साथ अलाव की निरंतर व्यवस्था रहे ताकि राहगीर ठंड की मार से बच सकें। ठंड का कहर जारी है और ऐसे में नगर पालिका की मशीनरी को चौबीस घंटे अलर्ट रहना होगा। किसी भी स्तर पर ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों पर गाज गिरना तय है।

मध्यप्रदेश टीम में हुआ कन्या शिक्षा परिसर की छात्रा नम्रता देवी का चयन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। खेलों के क्षेत्र में कन्या शिक्षा परिसर कोतमा की छात्रा नम्रता देवी ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। नम्रता का चयन मध्यप्रदेश की 14 वर्षीय अंडर 14 कबड्डी टीम में हुआ है। अब वे राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर अपने विद्यालय और जिला का नाम रोशन करेगी। संभागीय उपायुक्त शहडोल जेपी यादव, सहायक आयुक्त अनूपपुर सरिता नायक के प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन में यह उपलब्धि प्राप्त हुई। साथ ही संस्था प्रमुख और छात्रावास अधिक्षिका, कोच एवं संस्था के शिक्षकों श्रीमती आकांक्षा मिश्रा, श्रीमती सुखवती लोधी तथा जिला खेल प्रभारी शेख खलील कुरैशी का सहयोग भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। नम्रता की इस बड़ी सफलता पर कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य अजय सिंह चौहान ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय क गारव का क्षण बताया है। छात्रावास अधिक्षिका श्रीमती पार्वती सिंह ने नम्रता की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि छात्रावास की बेटियों में अपार प्रतिभा है और नम्रता ने साबित कर दिखाया है कि दृढ़ निश्चय से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। नम्रता के खेल प्रतिभा को तराशने में उनके कोच मिथलेश सिंह नेताम खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकास खंड समन्वयक कोतमा की मुख्य भूमिका रही मिथलेश सिंह नेताम ने बताया कि नम्रता एक अत्यंत प्रभावशाली और मेहनती खिलाड़ी है उसकी रेटिंग कौशल और फुर्ती के कारण ही प्रदेश की मुख्य टीम में चयन हुआ है। नम्रता देवी अब आंध्र प्रदेश के गुड़ीवाड़ा मे आयोजित होने वाली 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स 19 जनवरी से 23 जनवरी मे हिस्सा लेगी। उनकी इस सफलता पर कन्या शिक्षा परिसर के समस्त स्टाफ और खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

जिला पंचायत सीईओ का मानपुर में सर्जिलक स्ट्राइक करोड़ों के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर दी चेतावनी

लापरवाही हुई तो खैर नहीं: अभय

उमरिया।

सरकारी पैसों की बंदरबांट और कछुआ चाल से चल रहे निर्माण कार्यों पर जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ने कड़ा शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मानपुर विकासखंड के आधा दर्जन गांवों में अचानक पहुंचे सीईओ ने करोड़ों की लागत से बन रहे पंचायत भवनों और सामुदायिक केंद्रों का कच्चा चि_ा खंगाला। उनके तीखे तेवरों और ऑन द स्पॉट जांच से मौके पर मौजूद इंजीनियरों और सचिवों के पसीने छूट गए।

करोड़ों का बजट, काम में चाहिए फिनिशिंग

सीईओ अभय सिंह ने ग्राम पंचायत बचहा, सलैया, बड़छड़ और अमरपुर में चल रहे निर्माण कार्यों का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने बचहा में बन रहे 37.5 लाख के भव्य पंचायत भवन और 12 लाख के सामुदायिक भवन की गुणवत्ता जांची। सीईओ ने दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि बजट जनता का है, इसलिए दीवार से लेकर छत तक मजबूती में कोई समझौता बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बन रहे तालाब के काम में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

समय सीमा का अल्टीमेटम

निरीक्षण के दौरान सीईओ ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि कागजों पर समय सीमा तय करना काफी नहीं है, जमीन पर काम पूरा दिखना चाहिए। अमरपुर में पीएम जन मन योजना के तहत बन रहे आंगनवाड़ी केंद्र को लेकर उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि बच्चों की सुविधा में देरी अक्षम्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि समय पर काम पूरा नहीं हुआ, तो संबंधित ठेकेदारों और जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मां की बगिया का सच जाना

भ्रमण के दौरान सीईओ केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने अमरपुर में मां की बगिया योजना की हितग्राही सुखमंती साहू और लक्ष्मी साहू के घर पहुंचकर हकीकत देखी। वहां गड्ढे खुदे मिलने पर उन्होंने तत्काल 50 फलदार पौधे रोपने का टारगेट दिया। इस दौरान ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा के कार्यपालन यंत्री सुगंध प्रताप सिंह सहित पूरा अमला मौजूद रहा, जिन्हें सीईओ ने सख्त लहजे में क्वालिटी कंट्रोल का पाठ पढ़ाया।

लगातार आबादी क्षेत्र में बनी हुई है भालुओं की आवाजाही, लोगों में बना हुआ है दहशत का माहौल

वन विभाग द्वारा किए जा रहे सुरक्षा और गस्ती के दावों की खुल रही है पोल

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

वन परिक्षेत्र अंतर्गत भालुओं के लगातार आबादी क्षेत्र में आवाजाही बनी हुई है। भालू के आतंक के कारण जहां लोग डर के साए में है वही जंगल एवं रात के समय घर के पीछे बाड़ी मे जाने से घबराने लगे हैं। बुधवार की रात 10 बजे के लगभग भालू अपने तीन शावकों के साथ वार्ड क्रमांक 10 पतेरा टोला में के के मिश्रा के घर के सामने चहलकदमी करते हुए देखा गया। लोगों ने बताया कि हम लोग आग जलाकर ताप रहे थे तभी अचानक भालू अपने तीन शावकों के साथ मोहल्ले मे पहुंच गया जिससे हम लोग डर कर भाग गए। घनी आबादी क्षेत्र में भालू के विचरण से पूरे नगर में हलचल तेज हो गई है। भालू तीन शावकों के साथ तस्वीर मोहल्ले के एक घर मे लगे कैमरे में कैद हो गई। वार्ड में ही 10 से 15 मिनट तक धमाचौकड़ी करने के बाद जंगल की ओर चला गया।

लोगों ने बताया कि तीन दिनों से भालू अपने शावकों के साथ पहुंच रहा है। सोमवार को विनय रावत के घर के आंगन मे घुस गया था जिसके कारण दहशत मे घर के सदस्य रात भर सो नहीं पाये। मंगलवार को आंगनबाड़ी के पास रात्रि मे चहलकदमी करते देखा गया। महीनों से आबादी क्षेत्र मे भालू के चहलकदमी करने के कारण मोहल्ले वासी परेशान है। पूर्व पार्षद देवशरण सिंह ने गुरुवार को सीयम हेल्पलाइन मे शिकायत भी दर्ज करवाई है। देवशरण सिंह ने बताया कि इस तरह से रिहायशी क्षेत्र मे भालू के विचरण करने के कारण लोगों मे दहशत बना हुआ है किसी दिन कोई बड़ी घटना न घटित हो जाये। इसके पूर्व वार्ड क्रमांक 12 गोबिंदा कालोनी भी भी भालू के विचरण के कारण लोग भय के साये भी रहने को मजबूर हैं। लगातार भालू की सक्रियता कोतमा नगर व उसके आसपास के गांव में देखी जा रही है।

भालू के आए दिन देखे जाने से बड़ी अनहोनी की आशंका से लोग भय में हैं। वहीं वन विभाग द्वारा किए जा रहे हैं सुरक्षा और गस्ती के दावों की पोल खोल रही है। नागरिकों का कहना है कि भालू की लगातार बाजार एवं आबादी क्षेत्र में गतिविधियां चिंताजनक है। भालू को वन विभाग के द्वारा सतत निगरानी करते हुए जंगल की ओर सुरक्षित खदेड़ दिया जाए अन्यथा किसी दिन बड़ी घटना भी हो सकती है। वन विभाग के रेंजर हरीश तिवारी का कहना है कि भालू की सूचना के बाद क्षेत्र में गस्त बढ़ा दी गई है और अतिरिक्त कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। जो लगातार डोला, कोतमा, जमुना, हरद, गोविंदा एवं कल्याणपुर बीट में गस्त कर रहे हैं। लगातार भालू के बाजार में आने से नागरिकों में डर बना हुआ है लोगों ने वन विभाग के डीएफओ से प्रभावी निगरानी व्यवस्था सहित भालुओं को सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़े जाने की मांग की है।

76 साल के बुजुर्ग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 8 में 76 साल के बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के बारे में मिली जानकारी अनुसार नगर के वार्ड क्रमांक 8 मगरदहा टोला निवासी संतू पिता महकन सिंह 76 साल बुधवार की रात्रि 10:00 बजे अपने कमरे में था परिजन जब 10:30 बजे उसके कमरे में उसे खाना खाने के लिए बुलाने गए तो कमरे के अंदर वह फांसी में झूम रहा था परिजनों के द्वारा घटना की जानकारी तत्काल इन थाने में दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार कर पीएम के लिए शव को अस्पताल भिजवाया। पुलिस मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच मे जुट गई है।

समर्थन मूल्य पर 9 लाख 22 हजार 373 क्विंटल धान की हुई खरीदी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रदेश शासन की उपार्जन नीति के अनुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अनूपपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 01 दिसम्बर से की जा रही है, जो 20 जनवरी तक चलेगी। चालू सीजन में जिले में अब तक 17 हजार 583 किसानों से 9 लाख 22 हजार 373 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। पंजीकृत किसानों से सामान्य औसत किस्म का धान 2369 रुपए तथा ग्रेड ए का धान 2389 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए 22 हजार 44 किसानों द्वारा अपना पंजीयन किया गया है। इसमें से 19 हजार 947 किसानों द्वारा धान विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग की जा चुकी है।

धान विक्रय के लिए 12 एवं 13 जनवरी को भी की जा सकेगी स्लॉट बुकिंग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते ने जानकारी दी है कि शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु कृषक द्वारा उपज विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग 12 एवं 13 जनवरी को भी की जा सकेगी एवं स्लॉट की वैधता अवधि 7 कार्य दिवस होगी। कृषकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए धान उपार्जन सप्ताह में 5 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) उपार्जन अवधि तक किया जाएगा।

आधुनिकता के विस्तार के उद्देश्य से नीति आयोग की वर्चुअल कार्यशाला हुई आयोजित

एआई के प्रभावी उपयोग को बढावा देने दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा गुरुवार 08 जनवरी को आकांक्षी विकासखंडों में आधुनिकता के विस्तार के उद्देश्य से वर्चुअल माध्यम से एक महत्वपूर्ण कार्यशाला (वर्कशॉप) का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी, एबीपी फेलो, उपसंचालक कृषि एवं सर्व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम (एबीपी) के अंतर्गत नवाचार, तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यशाला के दौरान नीति आयोग द्वारा कृषि, आजीविका उन्नयन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं सुशासन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक एवं नीति फ्रंटियर टेक पहल के अंतर्गत एआई आधारित समाधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाए गए। आधारित नवाचारों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं (बेस्ट प्रेक्टिस) का प्रस्तुतीकरण भी किया गया, जिससे अन्य जिलों एवं विकासखंडों को सीख लेने का अवसर मिला। कार्यशाला में बताया गया कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की एआई आधारित श्रेष्ठ प्रथाएँ नीति आयोग के नीति फ्रंटियर टेक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग कर जिले एवं विकासखंड अपने प्रदर्शन को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं। वर्कशॉप का आयोजन मुख्य रूप से नीति आयोग के सीईओ के मार्गदर्शन में तथा आकांक्षी जिला कार्यक्रम/आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के मिशन निदेशक रोहित कुमार (आईएएस) के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला में देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों, जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला डिजिटल नवाचार, डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया एवं एआई के माध्यम से समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई।

जी. एस. हितकारिणी समिति कोतमा द्वारा किया गया सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

आज मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवाकुर संस्था जी. एस. हितकारिणी समिति कोतमा द्वारा कोतमा विकासखंड अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 4 मे सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन ग्राम पैरीचुआ में सरिमन साकेत विकास खंड समन्वयक कोतमा की अध्यक्षता मे किया गया जिसमें कटकोना, बैहाटोला, चंगेरी, पथरौड़ी, पैरीचुआ के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से लोग उपस्थित हुए इस बैठक के प्रमुख विन्दु पर चर्चा की गई जिसमे प्रस्फुटन समिति से के सदस्यों का सक्रियकरण, प्रस्फुटन समितियो के कार्यक्रम आयोजन एवं दस्तावेजीकरण हेतु क्षमता वर्धन प्रशिक्षण, स्थानीय समस्याओं मुद्दों का चिंतन समाधान हेतु कार्य योजना निर्माण, तिरंगा रैली नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के आयोजन में वितरित पौधों का निरीक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा नशा मुक्ति, ऊर्जा संरक्षण, कुपोषण आदि पर काम करना संस्था सचिव ओंकार सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा सामुदायिक शौचालय के नियमित साफ सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता सखी वंश ऑन व्हील सेवा प्रारंभ की गई है इसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को शूद्रढ बनाना, हर गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण हो चुका है लेकिन उसका उपयोग नहीं होता है इसलिए हमें इस पर शासन के साथ मिलकर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है अतः आप सभी इस पर भी काम करे विकास खंड समन्वयक ने कहा कि समितियां अच्छा कार्य करे जिससे उस गांव मे उनकी अलग पहचान हो नवांकुर का काम है कि कार्य का चिन्हाकन कर प्रेरित करना और समितियो को आम जन के साथ कार्य करना हमारी समितियां अच्छा कार्य कर रही है इस कार्यक्रम मे प्रस्फुटन समिति से लोग उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने समीक्षा बैठक 9 जनवरी को

कटनी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की अध्यक्षता में शुक्रवार 9 जनवरी को अपरान्ह 2 बजे से आयोजित होगी। सुश्री कौर द्वारा बैठक में मनरेगा, पंचायत (निर्माण), 15वां वित्त, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम (एमडीएम) /शिकायत शाखा, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वाटरशेड), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), विधि शाखा एवं सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण की समीक्षा की जाएगी। आयोजित बैठक में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री, संभाग कटनी, समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला पंचायत के समस्त शाखा प्रभारी सहायक यंत्री,उपयंत्री, एपीओ / एएओ मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं स्वच्छ भारत मिशन के सभी विकासखंड समन्वयक, ब्लॉक मैनेजर एनआरएलएम और समस्त जनपद शिक्षा केंद्र के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को निर्धारित एजेंडा के अनुसार अद्यतन जानकारी सहित नियत समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

तेंदुआ की चहल कदमी से ग्रामीणों में दहशत

कटनी। बहोरीबंद वन परिक्षेत्र के कुआं वृत्त में तेंदुआ देखे जाने से इलाके में हड़कंप मच गया है। ग्राम राखी के पास 'रमैया स्थान' पर सड़क किनारे बैठे तेंदुए को देखकर वहां से गुजर रहे राहगीर और ग्रामीण बुरी तरह डर गए। मंगलवार रात जब कुछ कार सवार सड़क मार्ग से गुजर रहे थे, तब उनकी नजर झाड़ियों के पास बैठे तेंदुए पर पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने अपनी गाड़ियों की लाइट जलाकर तेंदुए का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय किसानों का कहना है कि पिछले लगभग एक महीने से खेतों में तेंदुए की मौजूदगी महसूस की जा रही थी। कई किसानों ने पहले भी इसे देखने का दावा किया था, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने क्षेत्र का मुआयना कर पदचिह्नों की पुष्टि की थी। हालांकि, अब सार्वजनिक स्थान और सड़क के इतने करीब तेंदुआ दिखने से खतरा और बढ़ गया है। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेश गौतम के

जो घर से बाहर उसके खिलाफ भी दर्ज हुई एफआईआर

परिजनों ने की निष्पक्ष जांच की मांग

घटना के समय की सीसीटीवी फुटेज की जांच करायें पुलिस -भीम आर्मी

नगर परिषद के अंतर्गत वार्ड नंबर 11 में नीरज कोरी पिता शिव शंकर कोरी की हार्ट अटैक से मृत्यु सिविल अस्पताल में हो गई परि जनों ने आरोप लगाया है जब अस्पताल में मरीज को लेकर की पहुंचे तो डॉक्टर उपस्थित नहीं थे स्ट्रेचर सही व्यवस्था न हो के कारण परिजन आक्रोशित हो गए तेज आवाज में बात करने लगे जिससे पूरा अस्पताल स्टाफ आ गया और पुलिस को बुला लिया गया

ब्यौहारी।

पुलिस में सूचना देकर एफ आई आर दर्ज करा दी जबकि हकीकत यह है कि डॉक्टर नागेन्द्र कुशवाहा से कोई मारपीट नहीं की गई स्ट्रेचर ले जाने के दौरान कांच फूट गया क्योंकि जब यहां दवाई नहीं हो रही थी तो परिजन रीवा ले जा रहे थे लेकिन

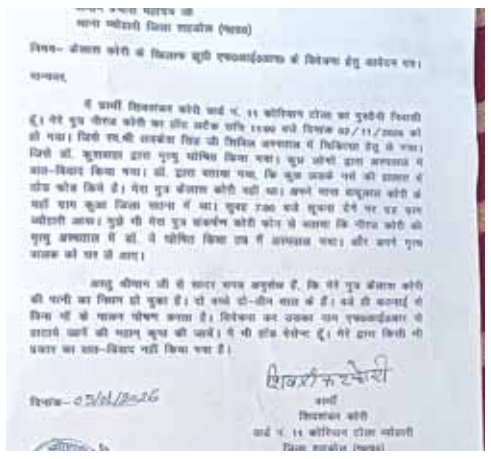

अस्पताल प्रबंधन द्वारा रोका जा रहा था रोकने के दौरान कांच टूट गया अस्पताल परिसर का एक कांच पहले से ही टूटा हुआ था विश्व सूत्रों से जानकारी मिली कि घटना के समय कैलाश कोरी मृतक का बड़ा भाई कुआं में था जो कि सतना जिले में आता है और घटना के अगले दिन आया इसी तरह से मृतक के पिता शिव शंकर भी लड़ाई झगड़े में शामिल नहीं थे उनके ऊपर भी फर्जी रिपोर्ट दर्ज कर दी गई है जो पूरी तरह से गलत है आज मृतक के घर पहुंच कर भीम आर्मी द्वारा शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई भीम आर्मी के ब्लॉक संयोजक कमलेश साहू ने मांग की है कि जब तक घटना का सीसीटीवी फुटेज जब मरीज को ले जाया गया और जब तक मरीज अस्पताल में था इस दौरान निष्पक्ष ढंग से जांच की जाए की किसकी लापरवाही है डॉक्टर से मारपीट हुई है यह पूरी रिपोर्ट ही फर्जी है तब तक किसी की गिरफ्तारी न की जाए यदि गिरफ्तारी की जाती है तो भीम आर्मी उग्र आंदोलन करेगी मृतक की बहन पुष्पा कोरी ने भी मांग की है कि डॉक्टर ने मारपीट की दर्ज कराई है तो उसके चोट कहां है दिखाया जाए एवं सीसीटीवी फुटेज दिखाया जाए कि कहां पर संकर्षण कोरी और पुष्पा कोरी मार रहे हैं हमारे परिजनों द्वारा किसी के द्वारा डॉक्टर से मारपीट नहीं की गई है हो सकता है किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा मारपीट की गई हो तो हमारी जिम्मेदारी नहीं है क्योंकि नीरज के बहुत चाहने वाले दोस्त थे हो सकता है किसी ने भीड़ का फायदा उठाकर कोई गलत हरकत की हो जिसके लिए हम जिम्मेदार नहीं है मृतक के पिता की तरफ कैलाश के खिलाफ रिपोर्ट रद्द किए जाने का आवेदन भी थाना प्रभारी को दिनांक 5 जनवरी को दिया गया है मृतक के परिजनों ने मुख्यमंत्री कमिश्नर एवं पुलिस अधीक्षक से घटना की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।

इनका कहना है

पुलिस द्वारा जो रिपोर्ट दर्ज की गई है डॉक्टर्स के आवेदन पर की गई है और उनके द्वारा जो वीडियो दिखाया गया है उसके आधार पर दर्ज की गई जहां तक कैलाश कोरी की उपस्थित का सवाल है उसकी हम सीडीआर से जांच करा लेंगे कि वह घटना में था या नहीं। पीड़ित परिवार के साथ पूरी संवेदना है पुलिस कोई भी काम पूरी निष्पक्षता के साथ करेगी जब तक पूरी तरह से जांच नहीं हो जाती तब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं होगी ।

ऋषभ छारी
प्रशिक्षु डीएसपी थाना प्रभारी ब्यौहारी

जैतहरी में शिकार के लिए लगाए करंट की चपेट में आने से तेंदुआ की मौत, वन विभाग जुटा जांच में

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वन परिक्षेत्र जैतहरी के जैतहरी बीट में बुधवार की शाम शिकार के लिए लगाए गए करंट की चपेट में आने से तेंदुए की मौत हो गई घटना की जानकारी पर वन विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है इस दौरान डॉग एस्कॉर्ट की मदद से कुछ संदेहियो से पूछताछ की कार्रवाई की जा रही है मृत तेंदुआ के शव को पीएम कराने बाद वन अधिकारियों एवं जनपतिनिधियो की उपस्थिति में अंतिम संस्कार किया गया। वन परिक्षेत्र जैतहरी के जैतहरी बीट अंतर्गत जैतहरी गोबरी मार्ग पर वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 में बुधवार की साम जंगली जानवरों के शिकार के उद्देश्य लगाए गए तार के करेन्ट की चपेट में आने से वन्यप्राणी तेंदुआ की मौत की सूचना मिलने पर जब जैतहरी वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर कार्यवाही प्रारंभ की ईस दौरान संभाग मुख्यालय शहडोल से बुलाए गए डांग एस्कॉर्ट की मदद से कुछ संदेहियो को पूछताछ के लिए ला कर पूछताछ की जा रही है वहीं तेंदुआ के शव का बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के डां, राजेश तोमर एवं जैतहरी के पशु चिकित्सक सचिन समैया की टीम द्वारा पीएम करने बाद शहडोल सीसीएफ एमपी सिंह, डीएफओ अनूपपुर विपिन कुमार पटेल, एसडीओ वन डॉ, लाल सुधाकर सिंह, वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, तहसीलदार जैतहरी रमाकांत तिवारी, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, नगर परिषद जैतहरी के पार्षद, लघु वन उपज संघ अनूपपुर जिलाध्यक्ष राकेश सिंह एवं अन्य की उपस्थिति में मृत तेंदुआ का अंतिम संस्कार किया गया।

अनुपम सहाय और श्रद्धा पन्द्रे के चक्रव्यूह में फंसे तस्कर, सागौन जब्त

शहडोल में वन माफिया पर सर्जिकल स्ट्राइक

शहडोल।

वन संपदा को दीमक की तरह चाट रहे लकड़ी माफिया के खिलाफ वन विभाग ने अब तक का सबसे बड़ा और निर्णायक प्रहार किया है। 7 जनवरी 2026 की तारीख माफिया के लिए काल साबित हुई, जब वन संरक्षक अनुपम सहाय और डीएफओ श्रद्धा पन्द्रे के रणनीतिक चक्रव्यूह ने तस्करों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। विभाग की इस ताबड़तोड़ छापेमारी से जिले भर के अवैध आरा मिल संचालकों और तस्करों में हडक़ंप मच गया है।

सर्च वारंट लेकर घुसी टीम

ब्यौहारी परिक्षेत्र के कोलमी वार्ड में वन विभाग ने सीधे माफिया के घर में दस्तक दी। अशोक कुमार अवस्थी के निवास पर सर्च वारंट के साथ पहुंची टीम को यहाँ केवल अवैध लकड़ी ही नहीं, बल्कि तस्करी में इस्तेमाल होने वाला हाईटेक तामझाम भी मिला। विभाग ने यहाँ से 5 बोरी सागौन छिलन के साथ बैटरी ऑपरेटेड चेन-सॉ मशीन और 13 नग चेन-सॉ बरामद किए हैं। बिना दस्तावेज के चल रहे इस 'अवैध कारखाने' ने वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

बाड़ी में छिपाकर रखा था 'काला सोना'

वन विभाग की पहली बड़ी कार्रवाई बुढ़ार परिक्षेत्र के ग्राम बुगरा में हुई। यहां राम प्रवेश यादव के बाड़ी परिसर में दबिश दी गई, जहां तिरपाल के नीचे 104 नग अवैध सागौन की सिल्लियां छिपाई गई थीं। 3.109 घनमीटर की इस भारी खेप को माफिया ने रात के अंधेरे में पिकअप से खपाने की तैयारी की थी, लेकिन मुखबिर के सटीक जाल ने तस्करों के मंसूबों को मिट्टी में मिला दिया।

ढाबे की आड़ में चल रहा था तस्करी का खेल

शहडोल परिक्षेत्र के ग्राम पटदई में सुनील कुमार अवस्थी के ढाबा परिसर पर हुई छापामार कार्रवाई ने तस्करी के नए रूट का खुलासा किया है। यहाँ से 130 नग सागौन के कटे हुए टुकड़े 2.079 घनमीटर जब्त किए गए। माफिया ढाबे की आड़ में जंगल की कीमती लकड़ी को ठिकाने लगा रहा था। वन विभाग के आला अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यह तो बस शुरुआत है। जंगल की संपदा लूटने वाले सफेदपोश हो या कुख्यात अपराधी सबका हिसाब होगा। आने वाले दिनों में और भी बड़े चेहरों पर गाज गिरना तय है।

अनुभूति कार्यक्रम के माध्यम से स्कूली छात्राओं को वन्य जीव तथा पर्यावरण संरक्षण की दी गई जानकारी

विद्यार्थियों में प्रकृति प्रेम और जिम्मेवारी की भावना विकसित होती है: कलेक्टर

विधायक, कलेक्टर एवं वनमण्डलाधिकारी ने लिया कार्यक्रम में भाग

बुढ़ार।

स्कूली विद्यार्थियों को जंगल, वन्य जीवों, वनस्पतियों की विविधिता से अवगत कराने के उद्देश्य से जैतपुर वन परिक्षेत्र के बहगढ़ बीट में अनुभूति कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अनुभूति कार्यक्रम में मॉडल स्कूल भठिया की छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इन विद्यार्थियों को जंगल की सैर कराकर प्रकृति के रहस्यों की जानकारी दी गई। वन विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को पेड़-पौधे, वन्य प्राणी एवं मानव जीवन के जुड़ने की श्रृंखला से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, वनमण्डलाधिकारी श्रृद्धा पेंदे, एसडीओ वन विनोद जाखड़, जशवंत सिंह एवं वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं मैदानी अमला उपस्थित रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंह मरावी ने कहा कि वन और वन्य जीव प्रकृति की अमूल धरोहर है। जिनकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। उन्होंने कहा कि हम जीवन में छोट-छोट बदलाव करके पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं। विधायक ने विद्यार्थियों से प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, जल संरक्षण एवं ऊर्जा बचत, जीवन में स्वच्छता अपनाने तथा पौधरोपण कर उनकी सुरक्षा करने की समझाइश दी।

कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े अनुभूति कार्यक्रम से विद्यार्थियों में प्रकृति प्रेम और जिम्मेवारी की भावना विकसित होती है। विधायक ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य होते हैं। उन्हें पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाकर आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित हरित पृथ्वी का उपहार दे सकते हैं।

अनुभूति कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल, जंगल, जमीन, वनस्पति की जैवविविधिता के महत्व के संबंध में जानकारी देने के साथ ही पेड़-पौधे वन्य जीव और मानव एक-दूसरे के पूरक हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि वन्य जीवों में बाघ के संरक्षण का विशेष महत्व है। बाघ संरक्षण से जंगल और पर्यावरण की सुरक्षा होती है।

पिछले पांच वर्षों में एसईसीएल की 10 कोयला खदानें हुई बंद

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

एसईसीएल की कोयला खदानों के बंद होने सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते पांच वर्षों में एसईसीएल के कुल 10 कोयला खदानें बंद की जा चुकी है। इनमें से मध्यप्रदेश के चार और छत्तीसगढ़ के 6 कोयला खदानें शामिल हैं। उल्लेखनीय है, कि कोल इंडिया की लिमिटेड कंपनियों की खदानें लगातार बंद हो रही है। बीते पांच वर्षों के दौरान कुल 42 ओपन कास्ट एवं अंडरग्राउंड कोयला खदानें बंद की जा चुकी हैं। सबसे अधिक एसईसीएल की दस कोयला खदानें बंद हुई हैं वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड की 18 खदानें भी बंद हो चुकी है। एसईसीएल के बंद होने वाले खदानों में छत्तीसगढ़ राज्य के विश्रामपुर ओपनकास्ट, महामाया भूमिगत, महान ओपनकास्ट, पवन भूमिगत, सुराकछार भूमिगत 3 एवं 4, सुराकछार भूमिगत मुख्य खान एवं मध्यप्रदेश के शहडोल, उमरिया, अनूपपुर जिले के जमुना- कोतमा, हसदेव, सोहागपुर ,जोहिला क्षेत्र आते हैं। इन सभी क्षेत्रो के खदानों में जमुना आरो 1 एवं 2 भूमिगत, कपिलधारा भूमिगत, न्यू अमलाई भूमिगत, पिनोरा भूमिगत खदानें आदि शामिल है। यहां बताना होगा कि कई वर्षों से बंद कोयला खदानों से दोबारा कोयला उत्खनन की योजना तो बनाई जा रही है। कोल इंडिया में भी कई ऐसी खदानें है, जो

20 से 25 वर्ष पूर्व ही बंद कर दी गयी। जिनमे अभी भी कोयला है, बस किन्हीं कारणो वश यह कोयला खदानें बंद हो गयी है। उस समय नई पद्धतियां नहीं आ पाई थी। जिसके कारण वहां पर दोबारा कोयला उत्पादन प्रारंभ नहीं हो सका। एसईसीएल की किसी भी बंद खदान से दोबारा कोयला उत्खनन शुरु नहीं किया जा सका है। कोल इंडिया व एसईसीएल प्रबंधन द्वारा बंद पड़े भूमिगत कोयला खदानों से कन्टीन्यूअस माइनर मशीन के जरिये कोयला उत्खनन की तैयारी की गई है। अब कोरबा के रजगामार की भूमिगत खदान में कन्टीन्यूअस माइनर मशीन उतारी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर एक एक कर घाटे में चलने वाली कोयला खदानों को बंद करने का सिलसिला जारी है। सूत्रों के अनुसार कोल इंडिया में आने वाले समय में कई नई पद्धतियो के द्वारा कोयला खनन का कार्य किया जायेगा। जिसमें बंद खदानो में पुनः कोयला उत्पादन प्रारंभ हो सकता है। श्रमिक संगठनों द्वारा भी समय-समय पर नई खदानें खोले जाने का प्रयास किया जाता रहा है। कोल इंडिया एंव उनके अनुषंगी कंपनियों में एक से बढ़कर एक अनुभवी एंव वरिष्ठ अधिकारियों की एक बड़ी टीम है, जिन्होंने कोयला उत्पादन क्षेत्र में कई वर्षों तक कार्य किया है। कोल इंडिया को आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। विश्व में कोल इंडिया का नाम है। इसी प्रकार उत्साह एंव ऊर्जावान कामगार हैं, जो भारत में ऊर्जा के क्षेत्र में कोयला उत्पादन में आज महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब समय आ गया है, कि कोल इंडिया के सभी अनुषंगी कंपनियों मे अधिक से अधिक कोयला खदानें खुले, और देश में ऊर्जा के क्षेत्र में अपना परचम लहराये।

फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट का गोरखधंधा बेखौफ़ जारी

तीर्थ यात्रियों को 'सेवा' के नाम पर ठगी

बुढ़ार।

प्रदेश सरकार द्वारा बुजुर्गों और असहाय नागरिकों के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में यात्रियों से खुलेआम लूटपाट किए जाने का गम्भीर मामला सामने आया है। योजना का उद्देश्य श्रद्धालुओं को निःशुल्क और सम्मानजनक यात्रा कराना है, लेकिन इसके उलट ज़मीनी स्तर पर इससे जुड़ी तैयारियों में भ्रष्टाचार और 'सेवा' के नाम पर होने वाली वसूली यात्राओं की पवित्रता पर सवाल खड़े कर रही है।

सबसे गंभीर बात यह है कि तीर्थ यात्रियों के मेडिकल सर्टिफिकेट जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सरकारी शुल्क पर बनने चाहिए, उन्हें निजी हाथों में सौंप दिया गया है। इस काम को वे लोग कर रहे हैं जिनके पास न तो चिकित्सा का ज्ञान है और न ही किसी प्रकार की तकनीकी योग्यता। नोसिखियों द्वारा यहाँ 45 फॉर्म चेकलिस्ट और मेडिकल जांचें संचालित की जा रही हैं, जबकि नियम अनुसार यह कार्य एक पंजीकृत एमबीबीएस डॉक्टर द्वारा ही किया जा सकता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस केंद्र पर वर्षों से एक शॉर्टकट सिस्टम चलता आ रहा है। मरीजों और तीर्थ यात्रियों को डॉक्टर के नाम पर झुनझुना दिखाकर उनसे 100-200 रुपये की वसूली की जाती है। कई मामलों में

तो यात्रियों से 300 रुपये तक वसूले जाने की शिकायत मिली है। यह राशि न तो सरकारी रसीद पर ली जाती है और न ही किसी रिकॉर्ड में दर्ज होती है।

इस कथित मेडिकल सेटअप में बैठने वाले लोग सिर्फ फार्म पर डॉक्टर का नाम लिखकर 'फिटनेस' दे देते हैं। हैरानी की बात यह है कि यहाँ एक भी एमबीबीएस डॉक्टर नियमित रूप से मौजूद नहीं रहता। जो डॉक्टर रजिस्टर्ड दिखाया जाता है, वह क्षेत्र में कहीं और क्लीनिक चलाता है, और इन नोसिखियों द्वारा उसके नाम का दुरुपयोग कर घपला वर्षों से जारी है। स्थानीय निवासियों का यह भी आरोप है कि इस केंद्र में बैठा व्यक्ति इलाके के मरीजों को भी बहला-फुसलाकर सरकारी अस्पताल से सीधे एक डॉक्टर के निजी क्लीनिक तक पहुंचा देता है। मरीजों को कहा जाता है कि यहां डॉक्टर नहीं है, वहाँ जल्दी देख लेगा। इसके बाद उस डॉक्टर की फीस और 'कमिशन' यही बिचौलिया अपने खाते में जमा करता है। इस 'दलाल-डॉक्टर गठजोड़' के कारण आम मरीज ठगा जा रहा है और सरकारी अस्पताल का उद्देश्य ही समाप्त हो गया है।

तीर्थ यात्रियों के मामले में भी यही खेल चल रहा है। जो लोग योजना के लिए मेडिकल फिटनेस लेने आते हैं, उन्हें पहले 100-200 रुपये देकर अंदर भेजा जाता है, फिर उनका फार्म बिना जांच के पास कर दिया जाता है। कई यात्रियों ने यह शिकायत दर्ज कराई कि उनसे 50-100 रुपये तक की 'फाइल फीस' भी ली गई, जबकि सरकार ने कहीं भी ऐसे शुल्क का प्रावधान नहीं किया है। जब स्थानीय पत्रकारों ने इस संबंध में पड़ताल की तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था की सच्चाई सामने आई। दुकाननुमा ढांचे में बैठा व्यक्ति खुद को 'अधिकृत स्टाफ' बताता है, जबकि वह किसी भी सरकारी सूची में शामिल नहीं है। यात्रियों ने खुले शब्दों में कहा कि हम लोग सेवा के भरोसे आते हैं, लेकिन यहाँ खुलेआम वसूली की जाती है। किसी अधिकारी को कुछ पता नहीं, और सब कुछ बिना रोकटोक चलता है। जिन तीर्थ यात्रियों से जबरन पैसे लिए गए, उन्होंने इसे साफ तौर पर लूट कहा है। यात्रियों ने बताया कि यदि पैसा नहीं दो तो बोलते हैं कि मेडिकल नहीं बनेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पूरे सिस्टम में कुछ अधिकारी भी सांठगांठ में शामिल हो सकते हैं, तभी यह खेल वर्षों से बिना कार्रवाई चल रहा है। अब सवाल यह है कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रियों को सम्मान देने की बात करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर तीर्थ दर्शन योजना भ्रष्टाचार का केंद्र बनती जा रही है। मेडिकल सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर की जा रही यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है।

कांग्रेस के खेल खिलाड़ी प्रकोष्ठ के अनूपपुर जिला अध्यक्ष बनाए गए सावन अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आदरणीय जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले, खेल खिलाड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नतीम खान, प्रदेश प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉक्टर महेंद्र सिंह चौहान, पूर्व नेता विपक्ष अजय सिंह राहुल भैया, कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष मयंक त्रिपाठी का आभार व्यक्त करता हूँ। खेल खिलाड़ी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सावन अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश से मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का मैं पालन करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को खेल के प्रति रुचि बढ़ाने का सहयोग प्रदान करूंगा। खेल मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। हमारे जिले में भी खेल के ऐसे महत्वपूर्ण आयोजन के माध्यम सेअधिक से अधिक युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ाने का कार्य करना होगा। मैं अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर प्रदेश से मिली जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए अधिक से अधिक खेल के प्रति युवाओं को जोड़ने का कार्य सदैव करता रहूंगा।

खबर संक्षेप

बेतरतीब वाहनों पर यातायात पुलिस ने लगाई लॉक

अनूपपुर। जिले में अव्यवस्थित पार्किंग पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा विशेष सतर्कता अभियान चलाते हुए शहर के व्यस्त इलाकों में गलत जगह वाहन खड़े करने वाले चालकों पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को भी यातायात प्रभारी विनोद दुबे व उनकी टीम के द्वारा ऐसी ही कार्यवाही शहर में की गई। बता दें कि यह अभियान लगभग एक माह से लगातार संचालित हो रहा है, जिससे मुख्य मार्गों पर यातायात अधिक व्यवस्थित और सहज हुआ है। यातायात पुलिस के अनुसार गलत पार्किंग से सड़क का प्रवाह बाधित होता है और हादसों की संभावना बढ़ती है। इसलिए आगे भी इस तरह की कार्रवाई बिना किसी रियायत के जारी रहेगी।

सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक का आयोजन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 08 जनवरी को सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक का आयोजन एएसपी श्री मरकाम की अध्यक्षता में किया गया जिसमें जिले स्तर के विभागीय अधिकारी विनोद परस्ते, सहायक संचालक श्रीमति मंजूषा शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी ओमकार धुर्वे, उद्योग विभाग, थाना कोतवाली टी.आई. अनूपपुर अरविन्द जैन, युवा खेल विभाग अध्यक्ष्य मोहन पटेल कि उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सुशील शर्मा डायरेक्टर हार्ड संस्था अनूपपुर द्वारा जानकारी दी गई कि पुलिस विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा सृजन कार्यक्रम क्रियान्वित की जा रही है सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जानकारी दी गई कि 13 से 19 वर्ष के ऐसे बच्चों को चिन्हित कर प्रशिक्षित करना है जो शाला त्यागी हो और बाल श्रमिक हो या जो गलत दिशा में भटक चुके हो उनको प्रशिक्षित करना मार्शल आर्ट की प्रशिक्षण, व्यावहारिक क्षमता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण शामिल है जिससे इन सभी बच्चों को वापस से समाज कि मुख्य धारा से जोड़ा जा सके यह कार्यक्रम का उद्देश्य है। यह प्रशिक्षण 18 दिवसीय संचालित होगा जिसमें प्रतिदिन बच्चों को योजनानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, जिसमें सभ विभागों एवं सीएसओ का योगदान अपेक्षित है, कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारीयों ने बहुमूल्य सुझाव प्रदान किया। आज की बैठक का आयोजन एवं समन्वय मेडम ज्योति दुबे आर.आई. अनूपपुर द्वारा किया गया।

लंबे समय से अनुपस्थित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को अंतिम सूचना जारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, अनूपपुर द्वारा जिले के अंतर्गत कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती देवती गौड़ आंगनबाड़ी केंद्र लमना टोला माह जुलाई 2025 से निरंतर एवं सहायिका श्रीमती इतवारिया आंगनबाड़ी केंद्र डूमरकछार 2023 से निरंतर अनियमित उपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अनूपपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार कुछ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिकाएं बिना किसी पूर्व सूचना के लंबे समय से अपने शासकीय कर्तव्यों से अनुपस्थित पाई गई हैं, जो शासन के निर्देशों तथा सेवा शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है। जारी सूचना में संबंधित कर्मचारियों को दिनांक 15 जनवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। निर्धारित तिथि तक उपस्थित न होने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जाएगी।

गणतंत्र दिवस आयोजन संबंधी बैठक आज

अनूपपुर। गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक एवं सफल आयोजन हेतु आज

शुक्रवार 9 जनवरी को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई है। उक्ताशय की जानकारी अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने देते हुए सर्व संबंधित अधिकारियों को बैठक में नियत तिथि व समय पर उपस्थित होने को कहा है।

नेकी की दीवार' नहीं ला पाई अमीर-गरीब के बीच गर्माहट

नेकी की दीवार अब केवल दीवारों पर

फालोअप

हरिभूमि

नेकी की दीवार' नहीं कर पा रही गरीबों का भला

सूने 'नेकी की दीवार' से कैसे मिलेगा गरीबों को 'आनंद'

हरिभूमि ने उठाया था मुद्दा, व्यवस्थित करने के बजाय सूनी हो गई दीवार

जिले मे योजना का अस्तित्व हुआ खत्म, पोस्टर तक सिमटा लाभ

जरूरतमंदों तक नए पुराने कपड़े पहुंचाने के लिए जिला अस्पताल मे 'नेकी की दीवार' बनाई थी। कपड़े रखने के लिए जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर को चुना गया था। उक्त नेकी की दीवार को देखकर ऐसा लग रहा था कि उन्हें सुरक्षित और व्यवस्थित करने के लिए कर्मचारी नहीं है। नए और पुराने कपड़ों की हालत खराब दिखाई देने से जरुरतमंद दूर भागने लगे है। कचरे से भी बदतर हालत मे रेलिंग मे टंगे कपड़े बदबू फैला रहे थे।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

व्यवस्थित नेकी की दीवार के लिए हरिभूमि ने बीते 12 दिसंबर को प्रमुखता से खबर का प्रकाशन कर जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षण कराया था, लेकिन व्यवस्था करने के बजाय जिम्मेदारों ने यहां से कपड़े ही गायब कर दिये। अब बेजोड़ ठण्ड मे 'नेकी की दीवार' से जरूरतमंद गरीबों की जरूरत कैसे पूरी होगी, बड़ा सवाल है।

गरीब लोगों की भलाई के उद्देश्य से शुरू की गई नेकी की दीवार का सिलसिला कहीं ना कहीं अब अव्यवस्था का शिकार होकर गरीबों के प्रति जिम्मेदारों की संवेदनहीनता का प्रतीक बन चुका है। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर मे सीढ़ी के पास 'नेकी की दीवार' मे सिर्फ पोस्टर लगाकर खानापूर्ति कर दी गई है। नेकी की दीवार की दुर्दशा को देखकर सब हैरान हैं। यही नहीं, स्थानीय लोग नेकी की दीवार को लेकर नगर पालिका और संबंधित संस्था पर सवाल भी खड़े कर रहे हैं। स्थिति यह है कि अस्पताल दीवार पर सिर्फ नेकी की दीवार लिखा रह गया है। जबकि शुभारंभ के समय नेकी की दीवार में पुराने कपड़े आना शुरू हो गए थे। पुराने और नए कपड़ों को सुरक्षित स्थान पर रखने के लिए एक कर्मचारी नियुक्त था, लेकिन अब वहां कर्मचारी दिखाई नहीं दे रहा है। यहां रखे सामानों पर 'स्पेशल सफाई' कर जिम्मेदारों ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है।

जरुरत के उद्देश्य से बनाई थी नेकी की दीवार

जिला अस्पताल अनूपपुर के ट्रामा सेंटर मे सीढ़ी के पास शुरू की गई 'नेकी की दीवार' का उद्देश्य था कि ऐसा सामान पहुंचाना जो जरूरतमंदों के काम आ सके। दीवार पर लोग पुराने कपड़े छोड़ कर जाते थे और जरूरतमंद बेरोकटोक ले जा सकते थे। पहले अक्सर कमजोर तबके के लोग यहां कपड़े छांटते हुए देखे जाते थे, लेकिन लम्बे समय से यह नेकी की दीवार उपेक्षा का शिकार हो चुकी है। इस दीवार का उद्देश्य न तो प्रशासन पूरा कर पा रहा है और न ही समाजसेवी संगठन। जिले मे नेकी की दीवार योजना का अस्तित्व खत्म हो रहा है या बंद हो चुकी कह सकते हैं, क्योंकि दान करने वाले और जरूरतमंद लोगों की कमी, रखरखाव का अभाव और उत्साह कम होने जैसे कारणों से ये धीरे-धीरे गायब हो चुकी है।

व्यवस्थित करने के बजाय कर दी 'स्पेशल सफाई'

नेकी की दीवार की बदतर हालत पर हरिभूमि ने बीते 12 दिसंबर को 'नेकी की दीवार नहीं कर पा रही गरीबों का भला' शीर्षक से प्रमुखता से खबर का प्रकाशन किया था, जिसके बाद सुसुप्तावास्था मे पड़े जिम्मेदार हरकत मे आये और यहां अव्यवस्थित रूप से फैले कपड़ों समेत अन्य सामानों को व्यवस्थित करने सहित आवश्यक साफ सफाई व व्यवस्था दुरूस्त करने बजाय यहां से सामानों को ही फेंकवा दिया गया और अब यहां सिर्फ एक पोस्टर नेकी की दीवार की शोभा बढ़ा रहा है। ऐसे मे 'जो आपके पास ज्यादा है वह हमें दे जाएं और जो आपके पास नहीं हैं वह यहां से ले जाएं' स्लोगन की अवधारणा को कुचल दिया गया। जबकि आमतौर पर नेकी की दीवार के नीचे छोटा और तंग हो चली पुरानी कमीज-पतलून, गर्म कपड़े, पेन, कॉपी-पेंसिल, बच्चों के कंपास, स्कूल बैग, जूते-चप्पल, शॉल-चादर सहित अन्य सामानों का आदान-प्रदान किया जा सकता था। ऐसे मे भरी ठण्ड मे जिम्मेदार विभाग व जिला प्रशासन का गरीबों के प्रति कर्कश रवैया क्या मैसेज देना चाह रहा है, समझ से परे है।

अच्छे सामान नही कचरा फेंकने लगे लोग

"नेकी की दीवार" एक अच्छी पहल थी जहाँ लोग अपने अतिरिक्त कपड़े और सामान ज़रूरतमंदों के लिए छोड़ते थे, लेकिन यह अब सिर्फ नाम की रह गई है और इसका मूल उद्देश्य भटक गया, लेकिन इसका मूल विचार आज भी प्रासंगिक है। जरुरतमंदों को उनकी पसंद अनुसार पुराने कपड़े मुहैया कराने की गरज से शुरु किया गया 'नेकी की दीवार' औपचारिक रह गया था। नेकी की दीवार स्थान पर लोग जरुरत मुताबिक काम आने वाले पुराने कपड़े नहीं बल्कि घर में कचरा बन चुके कपड़ों को फेंक आते थे। 'जो आपके पास ज्यादा हैं वह हमें दे जाए और जो आपके पास नहीं हैं वह यहां से ले जाए' इस स्लोगन की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से शुरु किए गए नेकी की दीवार कार्यक्रम कुछ समय तक तो सहीं चला। नेकी की दीवार के नाम पर लोगों ने अपने वह कपड़े और जूते इत्यादि रखने शुरु किए जो पहने हुए तो थे, लेकिन इतने पुराने नहीं थे जिसे दोबारा इस्तेमाल न किया जाए। ऐसे कपड़े-जूते इत्यादि को जरुरतमंदों द्वारा ले जाकर उसका उपयोग किया जाने लगा, लेकिन दिसंबर माह मे हरिभूमि को नेकी की दीवार पर एक भी कपड़ा ऐसा दिखाई नहीं दिया जो पहनने लायक हो। लोगों ने वही कपड़े यहां लाकर डाले हैं जो घर पर कचरा बने हुए थे साथ ही यहां टूटी चप्पलें खराब अन्य सामान रख थे जो फेंकने लायक था।

अनूपपुर में प्रतिबंधित पॉलिथीन पर सख्त कार्रवाई दुकानदारों में मचा हड़कंप'

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगर पालिका परिषद अनूपपुर एवं शहडोल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम द्वारा अनूपपुर शहर में प्रतिबंधित पॉलिथीन पन्नी के विरुद्ध सघन छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान अमानक एवं प्रतिबंधित पॉलिथीन पन्नी की बिक्री करते पाए जाने पर विभिन्न दुकानों से पन्नी जब्त की गई तथा लगभग 10,000 की चालानी कार्रवाई की गई। अचानक की गई इस कार्रवाई से शहर के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। टीम ने शहर के लगभग सभी प्रमुख बाजार क्षेत्रों में दुकानों की जांच की और पॉलिथीन रखने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की।

आम नागरिकों ने कार्रवाई का किया समर्थन

शहर के आम नागरिकों ने नगर पालिका की इस पहल का स्वागत किया है। नागरिकों का कहना है कि यदि इसी प्रकार समय-समय पर कार्रवाई की जाती रहे तो अनूपपुर में

कार्यालय नगरपालिका परिषद, अनूपपुर
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

खुलेआम पॉलिथीन के उपयोग पर रोक लगाई जा सकती है जिससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा।

दुकानदारों ने उठाए सवाल विकल्प न मिलने की कही बात

जब इस विषय में सब्जी विक्रेता रिंकू केसरवानी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा उनके ऊपर 500 का चालान किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई तो की जा रही है लेकिन दुकानदारों को कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं बताया जा रहा है कि पॉलिथीन के स्थान पर ग्राहकों को क्या दिया जाए। उनका कहना है कि कपड़े के थैले आसानी से उपलब्ध नहीं हैं और जो मिलते भी हैं वे महंगे होने के कारण ग्राहक लेने को तैयार नहीं होते। पहले नगर पालिका द्वारा दुकानदारों को विकल्प उपलब्ध कराए जाएं व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और आम जनता को यह समझाया जाए कि पॉलिथीन से क्या-क्या नुकसान होते हैं। सीधे दुकानों पर जाकर चालान काटना उचित नहीं है।

थोक आपूर्ति पर भी कार्रवाई की मांग

छोटे दुकानदारों और सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि पॉलिथीन थोक में गुजरात सागर और कटनी जैसे स्थानों से आती है जहां से होलसेलर छोटे दुकानदारों को दो-दो चार-चार पैकेट सप्लाई करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि केवल छोटे दुकानदारों पर ही कार्रवाई क्यों की जा रही है। दुकानदारों का यह भी कहना है कि नगर पालिका के अधिकारी छोटे व्यापारियों के यहां पन्नी जब्त कर लेते हैं लेकिन जहां पॉलिथीन का निर्माण हो रहा है या थोक में सप्लाई की जा रही है उन कारखानों और थोक विक्रेताओं पर कठोर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। अब देखना यह होगा कि नगर पालिका परिषद आने वाले समय में केवल चालानी कार्रवाई तक सीमित रहती है या फिर पॉलिथीन के विकल्प उपलब्ध कराने जागरूकता अभियान चलाने और थोक आपूर्ति श्रृंखला पर रोक लगाने के लिए भी ठोस कदम उठाती है।

111 नर्मदा भक्तों संग संत गोपाल चैतन्य जी महाराज की पावन नर्मदा परिक्रमा

15 फरवरी महाशिवरात्रि को ओंकारेश्वर-छनेरा में होगा दिव्य समापन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

साक्षात करुणा, तप और त्याग की जीवंत प्रतिमूर्ति, पतित पावनी जगत जननी मां नर्मदा जी के अनन्य उपासक परम तपस्वी संत गोपाल चैतन्य जी महाराज 25 अक्टूबर 2025 को मध्य प्रदेश के सिद्ध तीर्थ ओंकारेश्वर से 111 नर्मदा भक्तों के साथ मां नर्मदा की पावन पैदल परिक्रमा पर निकले हैं। यह दिव्य यात्रा 15 फरवरी 2026, महाशिवरात्रि के महासंयोग पर ओंकारेश्वर छनेरा में विधिवत पूर्ण होगी। भक्ति, वैराग्य और साधना से ओत-प्रोत यह नर्मदा परिक्रमा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का चलायमान यज्ञ है। परिक्रमा के दौरान 111 श्रद्धालु अखंड हरि नाम संकीर्तन करते हुए, मां नर्मदा के तट-तट पर उनके पावन चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित कर रहे हैं। इस दिव्य यात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा एवं बालिकाएं समान भाव से सहभागी हैं, जो भीषण शीत लहर के बीच भी भक्ति रस में सराबोर होकर ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते आगे बढ़ रहे हैं। आज यह पावन यात्रा नर्मदा उद्गम की पवित्र धरती अमरकंटक पहुंची। यहां यात्रा दल का पड़ाव मृत्युंजय आश्रम में रहा। संध्या काल में रामघाट नर्मदा तट पर मां नर्मदा का विधिविधान से पूजन-अर्चन, दीप आरती एवं भावपूर्ण वंदन संपन्न हुआ। तत्पश्चात आश्रम के विशाल सभा-हाल में नर्मदा महिमा कथा एवं श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु भाव-विभोर होकर मां नर्मदा की महिमा का श्रवण करते रहे।

इस अवसर पर संत गोपाल चैतन्य जी महाराज ने परिक्रमा के आध्यात्मिक संकल्पों को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह यात्रा मां नर्मदा के पावन जल की शुद्धता एवं अक्षुण्यता, धर्म की पुनः प्रतिष्ठा, सनातन संस्कृति के संरक्षण, राष्ट्रहित एवं देशप्रेम की भावना, युवाओं को सदाचार और साधना के मार्ग पर प्रेरित करने, धर्मांतरण जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध जन-जागरण, तथा नर्मदा तटों पर वृक्षारोपण जैसे पुण्य उद्देश्यों के साथ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक जन-जन के हृदय में भगवत नाम का दीप प्रज्वलित नहीं होगा, तब तक धर्म की रक्षा संभव नहीं। महाशिवरात्रि के पावन दिवस 15 फरवरी 2026 को नर्मदा परिक्रमा का दिव्य समापन ओंकारेश्वर एवं छनेरा धाम आश्रम में विशेष वैदिक अनुष्ठानों के साथ होगा। इस अवसर पर माई की बगिया से जल परिवर्तन, उत्तर-दक्षिण जल पूजन, अभिषेक एवं विशेष साधनात्मक क्रियाएं संपन्न की जाएंगी। इसके पश्चात मां नर्मदा की कृपा से आगे की यात्रा पुनः आरंभ होगी। उल्लेखनीय है कि संत गोपाल चैतन्य जी महाराज का प्रमुख आश्रम ओंकारेश्वर के छनेरा में स्थित है, वहीं महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पाल में भी उनका आध्यात्मिक आश्रम धाम स्थापित है, जहां से निरंतर सनातन चेतना का प्रवाह जन-जन तक पहुंच रहा है।

जहां सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं हो रही उन ब्लैक स्पोट्र्स को चिन्हित कर करें सुरक्षात्मक उपाय- कलेक्टर

यात्री, स्कूल बस एवं कमर्शियल वाहन का अभियान चलाकर करें सतत चेकिंग- पुलिस अधीक्षक

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन तथा चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर दिए गए निर्देशों एवं सुधारात्मक कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री पंचोली ने सड़क निर्माण विभाग से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में जहां सर्वाधिक दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं, उन ब्लैक स्पॉटों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर वहां तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं, जिससे भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। उन्होंने यातायात, परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर जिले के समस्त ब्लैक स्पॉटों पर गंभीरता के अनुसार सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था, स्पीड ब्रेकर, डंबल स्ट्रिप, संकेतक बोर्ड आदि आवश्यक सुरक्षा उपकरण प्राथमिकता से स्थापित किए जाएं, ताकि सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा जिले के प्रमुख दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉटों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इस पर अवगत कराया गया कि जिले में बदरा तिराहा तथा पसला रोड हाईवे पर सर्वाधिक दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। बदरा तिराहे में प्रकाश व्यवस्था की कमी, सड़क पर कर्व तथा अचानक मोड़ होने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाती हैं। इसी प्रकार

पसला रोड पर भी सड़क कर्व होने से दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। उक्त तथ्यों के आधार पर कलेक्टर ने इन दोनों स्थलों सहित नेशनल हाईवे के चिन्हित ब्लैक स्पॉटों पर रेड कलर के रंबल स्ट्रिप लगाने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान द्वारा पुलिस एवं यातायात विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में छत्तीसगढ़ क्षेत्र से आने वाली बसों की परमिट, बीमा, फिटनेस, वाहन चालक का लाइसेंस आदि की नियमित जांच की जाए तथा वाहन चालकों का रिकॉर्ड संधारित किया जाए, जिससे जिले में यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने कमर्शियल वाहनों एवं स्कूल बसों की भी नियमित जांच करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि स्कूल बसों का उपयोग केवल विद्यालयीन प्रयोजन हेतु ही हो, अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही की जाए। पुलिस अधीक्षक द्वारा अमरकंटक क्षेत्र में आवागमन करने वाली बसों में स्पीड रेगुलेटर अनिवार्य रूप से लगवाने के निर्देश परिवहन अधिकारी एवं यातायात विभाग को दिए गए, ताकि किरर घाट क्षेत्र में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके तथा बसों की गति सड़क की स्थिति के अनुसार नियंत्रित रह सके। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के कोतमा क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा में क्रेन एवं एंबुलेंस की समुचित व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने क्रेन की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा एंबुलेंस में चालक एवं प्राथमिक उपचार व्यवस्था सुदृढ़ रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के नगरीय क्षेत्रों कोतमा, बिजुरी, अनूपपुर, जैतहरी, अमरकंटक एवं अमलाई में राजस्व, नगर पालिका एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध रोको टोको अभियान चलाने के निर्देश दिए तथा अतिक्रमण पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारियों को अमरकंटक में नर्मदा जयंती, मकर संक्रांति एवं महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर जैन मंदिर के समीप क्षेत्र को "नो पार्किंग जोन" घोषित करने तथा मेला मैदान में सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके एवं आमजन को असुविधा से बचाया जा सके। बैठक में बस स्टैंड निर्माण कार्य में प्रगति लाने, रेल्वे ब्रिज निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने, तुलरा चौक पर आवश्यक साइन बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर लगाए जाने, चचाई तिराहे पर हेवी लोडेड वाहनों के आवागमन के कारण क्षतिग्रस्त हो रही सड़क के नियमित मरम्मत एवं संधारण कार्य को सतत रूप से कराए जाने, राजेंद्रग्राम से भुंडा कोना मार्ग तथा किरर घाट क्षेत्र में रिफ्लेक्टर लगाने सहित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय, जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम सहित नेशनल हाईवे, मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, स्टेट हाईवे सहित अन्य सड़क निर्माण से जुड़े विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।